मंगल की सेवा सुन मेरी देवा | By Mukesh Kumar |

मंगल की सेवा, सुन मेरी देवा, हाथ जोड़ तेरे द्वार खडे,
पान सुपारी, ध्वजा नारियल, "ले ज्वाला तेरी भेंट धरे"
सुन जगदम्बे, कर न विलम्बे, संतन के भडांर भरे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

बुद्धि विधाता, तूँ जग माता, "मेरा कारज़ सिद्ध करे"।
चरण कमल का, लिया आसरा, "शरण तुम्हारी आन पड़े"
जब जब भीड़, पड़ी भक्तन पर, तब तब आप सहाय करे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

गुरु के वार, सकल जग मोहयो, "तरूणी रूप अनूप धरे"
माता होकर, पुत्र खिलावे, "कहीं भार्या भोग करे"
शुक्र सुखदाई, सदा सहाई, संत खड़े जयकार करे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

ब्रह्मा विष्णु, महेश फ़ल लिए, "भेट देन तेरे द्वार खड़े"
अटल सिहांसन, बैठी मेरी माता, "सिर सोने का छत्र धरे"
वार शनिचर, कुमकुम बरणो, जब लुंकड़ पर हुकम करे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

खड्ग खप्पर, त्रिशुल हाथ लिए, "रक्त बीज़ को भस्म करे"
शुम्भ निशुम्भ को, क्षण मे मारे, "महिषासुर को पकड़ दले"
आदित वारी, आदि भवानी, जन अपने का कष्ट हरे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

कुपित होकर, दनव मारे, "चण्ड मुण्ड सब चूर करे"
जब तुम देखो, दया रूप हो, "पल मे सकंट दूर करे"
सौम्य स्वभाव, धरयो मेरी माता, जन की अर्ज़ कबूल करे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

सात बार की, महिमा बरनी, "सब गुण कौन बख़ान करे"
सिंह पीठ पर, चढ़ी भवानी, "अटल भवन में राज्य करे"
दर्शन पावे, मंगल गावे, सिद्ध साधक तेरी भेंट धरे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

ब्रह्मा वेद, पढ़े तेरे द्वारे, "शिव शंकर हरी ध्यान धरे"
इन्द्र कृष्ण, तेरी करे आरती, "चवर कुबेर डुलाय रहे"
जय जननी, जय मातु भवानी, अटल भवन मे राज्य करे,,,
सन्तन प्रतिपाली, सदा खुशहाली, "जै काली कल्याण करे"

मंगल की सेवा, सुन मेरी देवा, हाथ जोड़ तेरे द्वार खडे*,
पान सुपारी, ध्वजा नारियल, "ले ज्वाला तेरी भेंट धरे"

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-2/